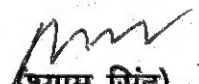


04

उत्तराखण्ड शासन
वन एवं पर्यावरण अनुभाग-1
संख्या-245/X-1-2016-04(01)/2001(A)
देहरादून : दिनांक 27 अक्टूबर, 2016

अधिसूचना संख्या-2046 /X-1-2016-04(01)/2001(A) दिनांक 27 अक्टूबर, 2016 द्वारा प्रख्यापित "उत्तराखण्ड अधीनस्थ वन सेवा नियमावली, 2016" की हिन्दी एवं अंग्रेजी संस्करण की प्रति निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. सचिव, श्री राज्यपाल उत्तराखण्ड।
3. समस्त मंडलायुक्त/जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. समस्त विभागाध्यक्ष/प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।
5. समस्त प्रमुख वन संरक्षक/अपर प्रमुख वन संरक्षक/मुख्य वन संरक्षक/वन संरक्षक/उप वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. सचिव, विधानसभा, उत्तराखण्ड।
7. सचिव, लोक सेवा आयोग, उत्तराखण्ड, हरिद्वार।
- ✓ 8. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. निदेशक, सूचना विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
10. निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री रुड़की-हरिद्वार को नियमावली की हिन्दी एवं अंग्रेजी संस्करण की प्रतियां संलग्न करते हुए इस निवेदन के साथ प्रेषित कि कृपया नियमावली को विधायी परिशिष्ट भाग-4 में मुद्रित करा कर इनकी 200 प्रतियां वन एवं पर्यावरण, अनुभाग-1 को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।


(श्याम सिंह)
 उप सचिव

उत्तराखण्ड शासन
वन एवं पर्यावरण अनुभाग-1,
संख्या 2046 /X-1-2016-04(01)/2001(A)
देहरादून, दिनांक 27.10.2016

अधिसूचना
प्रकीर्ण

राज्यपाल, "भारत का संविधान" के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग तथा इस विषय के विद्यमान समस्त नियमों और आदेशों का अधिक्रमण करते हुए उत्तराखण्ड की अधीनस्थ वन सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती तथा सेवा शर्तें विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

उत्तराखण्ड अधीनस्थ वन सेवा नियमावली, 2016

भाग 1-सामान्य

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ** 1. (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड अधीनस्थ वन सेवा नियमावली, 2016 है।
(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।
- सेवा की प्रास्थिति** 2. उत्तराखण्ड अधीनस्थ वन सेवा में समूह-ग' के अन्तर्गत उप वन क्षेत्राधिकारी (डिप्टी रेंजर), वन दसोगा (फॉरेस्टर) व वन आरक्षी (फॉरेस्ट गार्ड) के पद सम्मिलित हैं।
- परिभाषाएं** 3. जब तक कि विषय या सन्दर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में -
(क) 'नियुक्ति प्राधिकारी' से मुख्य वन संरक्षक, मानव संसाधन विकास एवं कार्मिक प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, अभिप्रेत है;
(ख) 'भारत का नागरिक' से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो 'भारत के संविधान' के भाग-दो के अधीन भारत का नागरिक हो या भारत का नागरिक समझा जाता हो;
(ग) 'संविधान' से 'भारत का संविधान' अभिप्रेत है;
(घ) 'सरकार' से उत्तराखण्ड राज्य की सरकार अभिप्रेत है;
(ङ) 'राज्यपाल' से उत्तराखण्ड के राज्यपाल अभिप्रेत है;
(च) 'सेवा का सदस्य' से इस नियमावली या इस नियमावली के प्रारम्भ से पूर्व प्रवृत्त कोई नियमावली के अधीन मौलिक रूप से उप वन क्षेत्राधिकारी (डिप्टी रेंजर), वन दसोगा (फॉरेस्टर) या वन आरक्षी (फॉरेस्ट गार्ड) के पद पर नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है;
(छ) 'सेवा' से उत्तराखण्ड अधीनस्थ वन सेवा अभिप्रेत है;
(ज) 'मौलिक नियुक्ति' से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति अभिप्रेत है, जो तदर्थ नियुक्ति न हो और इस नियमावली या इस नियमावली के प्रारम्भ से पूर्व प्रवृत्त नियमों के अधीन नियमानुसार चयन के पश्चात् की गई हो;
(झ) 'संवर्ग' से किसी सेवा की सदस्य संख्या, या किसी पृथक इकाई के रूप में स्वीकृत सेवा का कोई भाग अभिप्रेत है;
(ञ) 'भर्ती का वर्ष' से कैलेण्डर वर्ष के जुलाई के प्रथम दिवस से आरम्भ होने वाली बारह मास की अवधि अभिप्रेत है।
(ट) 'कॉलेज' से वन प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी, उत्तराखण्ड अभिप्रेत है।

भाग 2 - संवर्ग

- सेवा संवर्ग** 4. सेवा में प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या में जब तक पारित आदेशों द्वारा परिवर्तन न किया जाए, उतनी होगी, जितनी परिशिष्ट-1 में दी गई है :
परन्तु यह कि -

- (एक) नियुक्ति प्राधिकारी किसी रिक्त पद को खाली छोड़ सकेंगे अथवा राज्यपाल किसी पद को इस प्रकार प्रास्थगित कर सकेंगे, कि कोई व्यक्ति प्रतिपूर्ति का हकदार नहीं होगा।
- (दो) राज्यपाल ऐसे स्थायी अथवा अस्थायी पद सृजित कर सकते हैं जैसा वे उचित समझें।

भाग 3 - भर्ती

भर्ती का स्रोत

5. सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों की भर्ती निम्नलिखित स्रोतों से की जाएगी :-

(1) उप वन क्षेत्राधिकारी-

शत-प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त स्थाई वन दरोगा में से, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम जुलाई को वन दरोगा के रूप में न्यूनतम 08 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुए ज्येष्ठता के आधार पर पदोन्नति द्वारा।

(2) वन दरोगा:-

मौलिक रूप से नियुक्त स्थायी वन आरक्षियों में से जिन्होंने वन आरक्षी के रूप में भर्ती के वर्ष की प्रथम जुलाई को न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुए ज्येष्ठता के आधार पर पदोन्नति द्वारा,

(3) वन आरक्षी:-

1. 90 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा चयनित ऐसे अभ्यर्थियों में से जिन्होंने चयन के पश्चात् निर्धारित मूलभूत प्रशिक्षण को सफलता पूर्वक प्राप्त कर लिया हो।
2. 10 प्रतिशत चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों से जिन्होंने विज्ञान वर्ग से कक्षा 12 की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो। यदि चतुर्थ श्रेणी से पात्र कार्मिक उपलब्ध न हो तो उस दशा में इन पदों को भी सीधी भर्ती से भरा जायेगा।

आरक्षण

6. उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग तथा अन्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण, भर्ती के समय प्रवृत्त सरकार के आदेशों के अनुसार किया जाएगा।

भाग 4-अर्हताएं

राष्ट्रीयता

7. सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिये यह आवश्यक है कि अभ्यर्थी-

- (क) भारत का नागरिक हो; या
- (ख) तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी निवास के अभिप्राय से पहली जनवरी 1962 के पूर्व भारत आया हो; या
- (ग) भारतीय उद्भव का ऐसा व्यक्ति हो जिसने भारत में स्थायी निवास के अभिप्राय से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका या किसी पूर्वी अफ्रीकी देश, केन्या, युगान्डा और यूनाइटेड रिपब्लिक आफ तंजानिया (पूर्ववर्ती तांगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो :

परन्तु यह कि उपर्युक्त श्रेणी (ख) या (ग) के अभ्यर्थी को ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जिसके पक्ष में राज्य सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण पत्र जारी किया गया हो :

परन्तु यह और कि उपर्युक्त श्रेणी (ख) के अभ्यर्थी से यह भी अपेक्षा की जायेगी कि यह पुलिस उप महानिरीक्षक अधिसूचना शाखा, उत्तराखण्ड से पात्रता का प्रमाणपत्र प्राप्त कर ले :

परन्तु यह भी कि यदि कोई अभ्यर्थी उपर्युक्त श्रेणी(ग) का हो तो पात्रता का प्रमाणपत्र एक वर्ष से अधिक अवधि के लिये जारी नहीं किया जायेगा और ऐसे अभ्यर्थी को एक वर्ष की अवधि के आगे सेवा में इस शर्त पर रहने दिया जायेगा कि वह भारत की नागरिकता प्राप्त कर ले।

टिप्पणी- ऐसे अभ्यर्थी को जिसके मामले में पात्रता का प्रमाणपत्र आवश्यक हो किन्तु न तो वह जारी किया गया हो और न देने से इन्कार किया गया हो, किसी परीक्षा या साक्षात्कार में सम्मिलित किया जा सकता है और उसे इस शर्त पर अनन्तिम रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है कि आवश्यक प्रमाणपत्र उसके द्वारा प्राप्त कर लिया जाय या उसके पक्ष में जारी कर दिया जाय।

शैक्षणिक अर्हता

8. सेवा में वन आरक्षी के पद पर नियुक्ति हेतु अभ्यर्थी को भारत में विधि द्वारा स्थापित बोर्ड/परिषद या उत्तराखण्ड राज्य स्थित मान्यता प्राप्त विद्यालय से इण्टरमीडिएट (कृषि अथवा विज्ञान के साथ) अथवा समकक्ष स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिये।

अधिमानि अर्हता

9. अन्य बातें समान होने पर भी सीधी भर्ती के मामले में ऐसे अभ्यर्थियों को अधिमान दिया जाएगा, जिन्होंने -
(1) प्रादेशिक सेना में कम से कम दो वर्ष सेवा की हो; या
(2) नेशनल कैडेट कोर का 'बी' प्रमाण-पत्र अथवा 'सी' प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो।

आयु

10. वन आरक्षी की नियम-5(3) के अन्तर्गत सीधी भर्ती के मामले में सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष से कम व 24 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। आयु की गणना भर्ती के लिए सेवा नियोजन कार्यालय को रिक्तियों के सूचित किए जाने या यथा स्थिति भर्ती के विज्ञापन के वर्ष की प्रथम जुलाई के अनुसार अवधारित की जाएगी।

परन्तु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अन्य ऐसी श्रेणियों के अभ्यर्थियों के मामले में जैसा सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाए, अधिकतम आयु उतनी बढ़ाई जाएगी, जैसा कि विहित किया जाए।

चरित्र

11. सेवा के किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए जिससे वह सरकारी सेवा की नौकरी के लिए सर्वथा उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी इस विषय में स्वयं समाधान करेगा।

टिप्पणी-संघ सरकार या राज्य सरकार अथवा संघ सरकार या राज्य सरकार के स्वामित्व में अथवा नियन्त्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकरण या निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के अपराध से सम्बद्ध सिद्धदोष व्यक्ति भी नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।

वैवाहिक प्रास्थिति

12. सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिये ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र न होगा, जिसकी एक से अधिक पत्नी जीवित हो अथवा उसने ऐसी स्त्री से विवाह किया हो, जिसका पहले से ही जीवित पति हो एवं ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र न होगी, जिसके एक से अधिक पति जीवित हो या ऐसे पुरुष से विवाह किया हो, जिसकी पहली से ही जीवित पत्नी हो।

परन्तु यह कि सरकार किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है, यदि उसका समाधान हो जाय कि ऐसा करने के लिये विशेष कारण विद्यमान है।

शारीरिक अर्हताएं

13. (1) सीधी भर्ती द्वारा किसी अभ्यर्थी को सेवा में तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक कि वह ऊंचाई और सीने के घेरे के लिये नीचे विनिर्दिष्ट न्यूनतम मानक न रखता हो :-

लिंग	ऊंचाई	सीना
पुरुष	163 से.मी.	सीना फुलाने पर 5 से0मी0 विस्तार (expansion)
महिला	150 से.मी.	

परन्तु यह कि अनुसूचित जनजातियों और गोरखा, नेपाली, आसामी, लद्दाखी, सिक्किमी, भूटानी, गढ़वाली, कुमाऊँनी, नागा और अरुणाचल प्रदेश, लाहुल एवं स्पीति और मेघालयी अभ्यर्थियों की दशा में न्यूनतम ऊँचाई का मानक निम्न प्रकार होगा :-

पुरुष-152 से.मी.

महिला-145 से.मी.।

- (2) किसी भी ऐसे अभ्यर्थी को सेवा में किसी पद पर नियुक्त नहीं किया जाएगा, यदि वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है और किसी ऐसे शारीरिक दोष से मुक्त नहीं है, जिसके कारण उसे अपने कर्तव्यों के दक्षतापूर्वक निर्वहन में हस्तक्षेप की सम्भावना हो। किसी अभ्यर्थी को नियुक्ति के लिए अनुमोदित करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका खण्ड-दो, भाग-तीन के अध्याय-तीन में समाविष्ट मूल नियम 10 के अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार स्वस्थता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा :

परन्तु यह कि पदोन्नति द्वारा नियुक्त अभ्यर्थी के लिए स्वस्थता सम्बन्धी चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अपेक्षित नहीं होगा :

परन्तु यह और कि किसी महिला अभ्यर्थी को परीक्षण के आधार पर बारह सप्ताह या अधिक की गर्भवती पाये जाने पर अस्थायी रूप से अस्वस्थ घोषित किया जायेगा। प्रसूति के दिनांक से छः सप्ताह पश्चात् स्वस्थता के लिए उसका पुनः परीक्षण किया जायेगा।

- (3) किसी भी ऐसे अभ्यर्थी को सीधी भर्ती द्वारा सेवा में किसी पद पर नियुक्त नहीं किया जाएगा, जिसकी सामान्य दृष्टि में $+/- 4.00$ डी0 से अधिक दोष हो।

भाग 5 - भर्ती प्रक्रिया

रिक्तियों की
अवधारणा

14. नियुक्ति प्राधिकारी, वर्ष के दौरान भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या और अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित की जाने वाली रिक्तियों की संख्या, संगत सेवा नियमावली के अनुसार ही अवधारित करेगा। यदि चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्ति प्राधिकारी से भिन्न कोई अधिकारी है तो नियुक्ति प्राधिकारी चयन समिति के अध्यक्ष को रिक्तियों की सूचना देगा।

सीधी भर्ती की
प्रक्रिया

15. (1) सीधी भर्ती करने के लिए आवेदन-पत्र का प्रारूप, नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा, ऐसे न्यूनतम दो दैनिक समाचार-पत्रों में जिनका व्यापक परिचालन हो, प्रकाशित किया जायेगा।
- (2) नियुक्ति प्राधिकारी, निम्नलिखित रीति से सीधी भर्ती के लिए आवेदन-पत्र उपनियम (1) में प्रकाशित प्रारूप पर, आमंत्रित करेगा और रिक्तियाँ अधिसूचित करेगा:-
(एक) ऐसे दैनिक समाचार-पत्रों में, जिसका व्यापक परिचालन हो, विज्ञापन जारी करके;
(दो) कार्यालय के सूचना पट्ट पर सूचना चिपका कर या रेडियो/ दूरदर्शन और अन्य रोजगार-पत्र के माध्यम से विज्ञापन करके और
(तीन) रोजगार कार्यालय को रिक्तियाँ अधिसूचित करके (3) उप नियम (2) के अधीन रिक्तियाँ अधिसूचित करते समय आवेदन-पत्र का प्रारूप पुनः प्रकाशित नहीं किया जायेगा।

- (3) वन आरक्षी के लिए सीधी भर्ती की रिक्तियाँ खुली प्रतिस्पर्धा द्वारा चयन समिति के माध्यम से भरी जायेगी।

चयन समिति का गठन निम्न प्रकार से किया जाएगा -

(एक) नियुक्ति प्राधिकारी

- अध्यक्ष;

(दो) अध्यक्ष द्वारा नाम निर्दिष्ट अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों का कोई अधिकारी; यदि अध्यक्ष अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों का हो, तो अध्यक्ष द्वारा अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों या अन्य पिछड़े वर्गों से भिन्न कोई अधिकारी का नाम निर्दिष्ट किया जायेगा।

- सदस्य;

(तीन) अध्यक्ष द्वारा नाम निर्दिष्ट अन्य पिछड़े वर्गों का कोई अधिकारी; यदि अध्यक्ष अन्य पिछड़े वर्गों का न हो, तो अन्य पिछड़े वर्ग या अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों से भिन्न कोई अधिकारी का नाम निर्दिष्ट किया जायेगा।

- सदस्य;

(चार) भर्ती किये जाने वाले पद की अपेक्षाओं के अनुसार सम्बन्धित क्षेत्र में पर्याप्त ज्ञान रखने वाले एक अधिकारी को अध्यक्ष द्वारा नाम निर्दिष्ट किया जायेगा

- सदस्य।

(4) चयन समिति आवेदन पत्रों की समीक्षा करेगी और पात्र अभ्यर्थियों से शारीरिक दक्षता परीक्षा और उसमें सफल प्रतियोगियों से लिखित परीक्षा में भाग लेने की अपेक्षा करेगी।

(5) शारीरिक दक्षता परीक्षा :- शारीरिक दक्षता परीक्षा के प्रारम्भ में नियम 13 के उपनियम (1) के अनुसार शारीरिक अर्हताओं का परीक्षण किया जाएगा और उसमें सफल होने पर ही अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा (अर्हकारी) निम्न सारणी में दर्शाए गए विवरण के अनुसार ली जाएगी-

क्र० सं०	विवरण	अर्हकारी मानदण्ड	
		पुरुष	महिला
1.	पुरुष के मामले में 25 किमी० की दौड़ पीठ पर 10 किग्रा० का भार लेकर महिला के मामले में 14 किमी० की दौड़ पीठ पर 05 किग्रा० का भार लेकर	अधिकतम चार घंटे में	अधिकतम चार घंटे में।
2.	शॉट पुट (7.275 कि०ग्रा०)	5.00 मीटर	3.50 मीटर
3.	लम्बी कूद	4.00 मीटर	2.00 मीटर
4.	ऊँची कूद	1.10 मीटर	0.70 मीटर

दौड़ में सफल अभ्यर्थियों को ही शॉट पुट, लम्बी कूद एवं ऊँची कूद परीक्षा में सम्मिलित किया जायेगा तथा इनमें प्रत्येक दक्षता परीक्षा में निर्धारित मानदण्ड पूर्ण करने हेतु उन्हें अधिकतम तीन अवसरों में से किसी एक में अर्हता प्राप्त करनी आवश्यक होगी। शारीरिक अर्हता परीक्षण में अनुपयुक्त पाए जाने पर अथवा शारीरिक दक्षता परीक्षा हेतु विहित अर्हकारी मानदण्ड पूर्ण नहीं किये जाने की दशा में अभ्यर्थी को अनुपयुक्त घोषित कर चयन प्रतियोगिता से बाहर कर दिया जाएगा।

(6) लिखित परीक्षा :- शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफल घोषित अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा निम्न विवरणानुसार ली जाएगी-

- (एक) वन आरक्षी के मामले में लिखित परीक्षा हेतु अधिकतम 150 अंक निर्धारित होंगे जिनमें से 50 अंक सामान्य गणित, 50 अंक सामान्य ज्ञान तथा शेष 50 अंक सामान्य विज्ञान से सम्बन्धित होंगे।
- (दो) सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ होंगे। सामान्य गणित के प्रश्नपत्र हाईस्कूल स्तर के होंगे।
- (तीन) प्रश्नपत्र मूल्यांकन में प्रत्येक सही उत्तर का 1 अंक व प्रत्येक गलत उत्तर हेतु $1/4$ ऋणात्मक अंक दिया जायेगा।
- (चार) अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा की प्रश्न-बुकलेट तथा उत्तर शीट की कार्बन/‘डुप्लीकेट’ की प्रति परीक्षा के पश्चात् साथ ले जाने की अनुमति दी जाएगी।
- (पांच) लिखित परीक्षा के पश्चात् लिखित परीक्षा की उत्तरमाला को उत्तराखण्ड की ‘वेबसाइट’ पर प्रकाशित किया जाएगा तथा चयन का परिणाम घोषित करने के साथ ही सभी अभ्यर्थियों के कुल प्राप्तांकों को भी उत्तराखण्ड की ‘वेबसाइट’ पर प्रकाशित किया जाएगा।

- (7) चयन समिति द्वारा लिखित परीक्षा में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता सूची बनाई जाएगी जिसके अनुसार चयन की कार्यवाही की जाएगी। यदि दो या उससे अधिक अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त कुल अंक बराबर हों तो अधिमानी अर्हता (प्रादेशिक सेना तथा नेशनल कैडेट कोर) प्राप्त अभ्यर्थी का नाम सूची में ऊपर रखा जाएगा। उपरोक्त के उपरान्त भी यदि दो या अधिक अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त कुल अंक बराबर हों तो अधिक आयु वाले अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जायेगी। सूची में नाम रिक्रियों की संख्या से अधिक नहीं होगी। चयन समिति द्वारा अन्तिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों की सूची नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित की जायेगी।

पदोन्नति द्वारा
भर्ती की प्रक्रिया

16. (1) पदोन्नति द्वारा भर्ती के लिए चयन समिति का गठन निम्नवत् किया जाएगा; अर्थात्—

(क) उप वन क्षेत्राधिकारी के लिए :-

- (एक) नियुक्ति प्राधिकारी — अध्यक्ष,
(दो) प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड द्वारा नामित वन संरक्षक स्तर के दो अधिकारी — सदस्य

उपरोक्त 03 अधिकारियों में से 01 अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का होगा।

(ख) वन दरोगा के लिए :-

- (एक) नियुक्ति प्राधिकारी — अध्यक्ष,
(दो) मुख्य वन संरक्षक, मानव संसाधन विकास एवं कार्मिक प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून द्वारा प्रभागीय वनाधिकारी स्तर के नामित दो अधिकारी — सदस्य

उपरोक्त 03 अधिकारियों में से 01 अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन-जाति का होगा।

- (2) वन दरोगा व उप वन क्षेत्राधिकारी के पद पर पदोन्नति द्वारा भर्ती, राज्य स्तरीय ज्येष्ठता के अनुसार अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुए ज्येष्ठता के आधार पर की जाएगी।

- (3) नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा गुणानुक्रम के आधार पर पात्र अभ्यर्थियों की सूची तैयार की जाएगी और उनकी चरित्र पंजिका तथा उनसे सम्बन्धित अन्य ऐसे अभिलेखों के साथ चयन समिति के समक्ष रखी जाएगी, जो उचित समझे जाएं।
- (4) चयन समिति द्वारा उपनियम (3) में निर्दिष्ट अभिलेखों के आधार पर अभ्यर्थियों के मामलों पर विचार किया जाएगा।
- (5) चयन समिति चयनित अभ्यर्थियों की ज्येष्ठता के आधार पर सूची तैयार कर उसे नियुक्ति प्राधिकारी को प्रेषित करेगी।

भाग 6 – नियुक्ति परीक्षा, प्रशिक्षण, स्थायीकरण एवं ज्येष्ठता

नियुक्ति

17. नियुक्ति प्राधिकारी, अभ्यर्थियों के नाम उसी क्रम में लेकर जिसमें वे यथास्थिति नियम 16 या 17 के अधीन तैयार की गई सूचियों में आये हों, नियुक्तियाँ करेगा।

प्रशिक्षण

18. (1) सीधी भर्ती द्वारा चयनित वन आरक्षी से 6 माह का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करने हेतु ऐसे दिनांक को संस्थान में उपस्थित होने की अपेक्षा की जाएगी, जैसा कि विभाग द्वारा नियत किया जाए। उक्त प्रशिक्षण केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम से शासित होगा।
- (2) सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त व्यक्ति के लिए प्रशिक्षण की अवधि उसकी सेवा अवधि के प्रति आगणित की जाएगी।

परीक्षा

19. (1) सेवा या किसी स्थायी पद पर या उसके विरुद्ध रिक्ति पर सीधी भर्ती अथवा समायोजन से नियुक्त व्यक्ति 02 वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रहेगा।
- (2) नियुक्ति प्राधिकारी ऐसे कारणों से जो अभिलिखित किये जायेंगे, पृथक-पृथक मामलों में परीक्षा अवधि को बढ़ा सकता है जिसमें ऐसा दिनांक विनिर्दिष्ट किया जायेगा जब तक के लिए अवधि बढ़ायी जाए :

परन्तु यह कि आपवादिक परिस्थितियों के सिवाय परीक्षा अवधि एक वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाई जाएगी।

- (3) यदि नियुक्ति प्राधिकारी को प्रतीत होता है कि परीक्षा अवधि के दौरान किसी समय या परीक्षा अवधि की समाप्ति अथवा परीक्षा की बढ़ाई गई अवधि में किसी परीक्षाधीन व्यक्ति द्वारा अपने अवसरों का पर्याप्त उपयोग नहीं किया गया है, तो उसे उसके मूल पद पर, यदि कोई हो, प्रत्यावर्तित किया जा सकेगा या यदि उसका किसी पद पर धारणाधिकार नहीं है, तो उसकी सेवाएं समाप्त की जा सकेंगी।
- (4) ऐसे परीक्षाधीन व्यक्ति, जिसे उपनियम (3) के अधीन प्रत्यावर्तित कर दिया गया हो या जिसकी सेवाएं समाप्त कर दी गई हों, किसी प्रतिकर का हकदार नहीं होगा।

स्थायीकरण

20. परीक्षाधीन व्यक्ति को परीक्षा अवधि या बढ़ाई गई परीक्षा अवधि की समाप्ति पर स्थायी किया जा सकेगा यदि :-

- (क) उसका कार्य और आचरण सन्तोषजनक बताया गया हो;
- (ख) उसकी सत्यनिष्ठा प्रमाणित हो, तथा
- (ग) नियुक्ति प्राधिकारी का समाधान हो गया हो कि वह स्थायीकरण हेतु अन्यथा योग्य है।

ज्येष्ठता

21. (1) उप वन क्षेत्राधिकारी, वन दरोगा तथा वन आरक्षी की पृथक ज्येष्ठता सूची प्रादेशिक स्तर पर संघारित की जायेगी तथा ज्येष्ठता का निर्धारण उत्तराखण्ड सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 2002 के अनुसार किया जाएगा :

परन्तु यह कि किसी एक चयन के सापेक्ष सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त कार्मिकों की परस्पर ज्येष्ठता, चयन प्रतियोगिता में अर्जित कुल अंक के 100 प्रतिशत अधिभार व पद हेतु निर्धारित मूलभूत प्रशिक्षण में अर्जित अंकों के 50 प्रतिशत अधिभार के आधार पर अवधारित की जाएगी। यदि दो या उससे अधिक व्यक्ति एक साथ नियुक्त किए जाते हैं तो उनकी ज्येष्ठता उस क्रम में निर्धारित की जाएगी जिसमें उनके नाम उनकी नियुक्ति आदेश में क्रमांकित किए जाते हैं :

परन्तु यह और कि यदि नियुक्ति आदेश में कोई पूर्ववर्ती दिनांक विनिर्दिष्ट किया जाता है, जिससे कोई व्यक्ति मूल रूप से नियुक्त किया जाता है तो वह दिनांक उसकी मौलिक नियुक्ति आदेश का दिनांक माना जाएगा तथा अन्य मामले में इसे आदेश जारी किए जाने का दिनांक माना जाएगा।

- (2) किसी एक चयन के परिणाम स्वरूप सीधी नियुक्तियों की परस्पर ज्येष्ठता वही होगी जो, चयन समिति द्वारा अवधारित की जाए :

परन्तु यह कि यदि सीधी भर्ती वाला कोई अभ्यर्थी पद का प्रस्ताव प्रदान किए जाने पर बिना वैध कारणों से कार्यभार ग्रहण करने में असफल रहता है तो वह अपनी ज्येष्ठता खो सकता है। इस सम्बन्ध में नियुक्ति प्राधिकारी का निर्णय अन्तिम होगा।

- (3) पदोन्नति द्वारा नियुक्त व्यक्तियों की परस्पर ज्येष्ठता वहीं होगी जो उनके मूल संवर्ग में थी, जिससे उन्हें पदोन्नत किया गया है।

भाग 7- वेतन आदि

वेतनमान

22. सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों पर नियुक्त व्यक्तियों को अनुज्ञेय वेतनमान वह होगा जो राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित किया जाएगा।

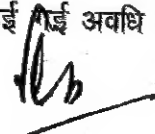
परिवीक्षा के दौरान वेतन

23. (1) मूल नियमों में किसी प्रतिकूल प्राविधान के होते हुए भी परिवीक्षाधीन व्यक्ति, यदि स्थायी सरकारी सेवा में नहीं है, तो उसे एक वर्ष की संतोषजनक सेवा पूरी करने पर, समयमान में प्रथम वेतन वृद्धि की अनुमति प्रदान की जाएगी तथा दूसरी वेतन वृद्धि दो वर्ष की सेवा के पश्चात् सफलतापूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण किए जाने तथा स्थायी किये जाने पर देय होगी :

परन्तु यह कि यदि समाधान प्रदान करने में असफल रहने के कारण किसी व्यक्ति की परिवीक्षा अवधि बढ़ाई जाती है तो जब तक नियुक्ति प्राधिकारी अन्यथा निर्देश न दें, ऐसी बढ़ाई गई अवधि वेतन वृद्धि के लिए नहीं गिनी जाएगी।

- (2) परिवीक्षा के दौरान ऐसे व्यक्ति का वेतन, जो सरकार के अधीन पहले से ही पद धारण कर रहा है संगत मूल नियमों द्वारा विनियमित किया जाएगा :

परन्तु यह कि यदि समाधान प्रदान करने में असफल रहने के कारण किसी व्यक्ति की परिवीक्षा अवधि बढ़ाई जाती है तो जब तक नियुक्ति प्राधिकारी अन्यथा निर्देश न दें, ऐसी बढ़ाई गई अवधि वेतन वृद्धि के लिए नहीं गिनी जाएगी।

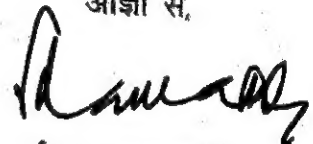


- (3) परीक्षा के दौरान ऐसे व्यक्ति का वेतन, जो पहले से ही स्थायी सरकारी सेवा में है, राज्य के कार्यों से सम्बन्धित सामान्य सेवारत सेवकों पर लागू संगत नियमों द्वारा विनियमित किया जाएगा।

भाग 8-अन्य प्राविधान

- | | | |
|--------------------------|-----|---|
| अध्याचन | 24. | किसी पद या सेवा पर लागू नियमावली के अधीन अपेक्षित संस्तुति पर विचार नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थी की ओर से अपनी अभ्यर्थिता के लिए प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से समर्थन प्राप्त करने का कोई प्रयास उसे नियुक्ति के अयोग्य कर देगा। |
| अन्य विषयों का विनियमन | 25. | ऐसे विषयों के सम्बन्ध में, जो इन नियमों या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते, सेवा में नियुक्त ऐसे व्यक्ति राज्य के कार्यों से सम्बन्धित सेवारत सरकारी सेवकों पर साधारणतः लागू विनियमों और आदेशों द्वारा विनियमित होंगे। |
| सेवा शर्तों का शिथिलीकरण | 26. | यदि राज्य सरकार का समाधान हो जाये कि सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की सेवा शर्तें विनियमित करने वाले किसी नियम के प्रवर्तन से किसी विशेष मामले में अनुचित कठिनाई हो सकती है तो वे इस मामले में लागू नियमावली में किसी बात के होते हुए भी आदेश द्वारा इस सीमा तक तथा ऐसी शर्तों के अधीन इस नियम की अपेक्षाओं से अभिमुक्त कर देगी या शिथिल कर देगी, जो वह मामले के सम्बन्ध में न्यायोचित तथा साम्यतापूर्वक कार्यवाही करने के लिए उचित समझे। |
| व्यावृत्ति | 27. | इस नियमावली की किसी बात का कोई प्रभाव ऐसे आरक्षण और अन्य रियायतों पर नहीं पड़ेगा, जिनका इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग तथा अन्य विशेष श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए उपबन्धित किया जाना अपेक्षित हो। |

आज्ञा से,



(एस० रामारामजी)

अपर मुख्य सचिव

परिशिष्ट
[नियम 4 देखें]

क्र० सं०	पद नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	पदों की संख्या
1	उप वन क्षेत्राधिकारी (डिप्टी रेंजर)	(रु० 9,300-34,800)	रु० 4200	408
2	वन दरोगा (फॉरेस्टर)	(रु० 5,200-20,200)	रु० 2800	1729
3	वन आरक्षी (फॉरेस्ट गार्ड)	(रु० 5,200-20,200)	रु० 2000	3650



In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution, The Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 2046 /X-1-2015-04(01)/2001(A) dated 27.10.16 for general information:

Government of Uttarakhand
Forest & Environment Section-1
No. 2046 / X-1-2016-04(01)/2001(A)
Dehradun, Dated 27 October 2016

NOTIFICATION

Miscellaneous

In exercise of the powers conferred by the proviso of the Article 309 of the Constitution of India and in supersession of all existing rules and orders on the subject, the Governor is pleased to make the following rules regulating recruitment and conditions of service of persons appointed to the Uttarakhand Subordinate Forest Service :-

The Uttarakhand Subordinate Forest Service Rules, 2016

PART I-GENERAL

- | | |
|-------------------------------------|---|
| Short Title and Commencement | 1. (1) These rules may be called “ The Uttarakhand Subordinate Forest Service Rules, 2016. ”
(2) It shall come into force at once. |
| Status of the Service | 2. The Uttarakhand Subordinate Forest Service comprises the post of Up Van Kshetradikari (Deputy Ranger), Van Daroga (Forester) and Van Arakshi (Forest Guard) under Group ‘C’. |
| Definitions | 3. In these rules unless there is anything repugnant to the subjects or context-
(a) ‘ Appointing Authority ’ means the ‘Chief Conservator of Forest, Human Resource Development & Personnel Management, Uttarkhand’;
(b) ‘ Citizen of India ’ means a person who is or deemed to be a citizen of India under Part-II of the Constitution of India;
(c) ‘ Constitution ’ means the Constitution of India;
(d) ‘ Government ’ means the State Government of Uttarakhand;
(e) ‘ Governor ’ means the Governor of Uttarakhand;
(f) ‘ Member of the Service ’ means a person substantively appointed to the post of Van Kshetradikari (Deputy Ranger), Van Daroga (Forester) and Van Arakshi (Forest Guard) under these Rules or any Rules in force prior to the commencement of these Rules;
(g) ‘ Service ’ means the Uttarakhand Subordinate Forest Service;
(h) ‘ Substantive Appointment ’ means an appointment, not being an ad-hoc appointment, on a post in the Cadre of the Service and made after selection |

in accordance with the rules or these rules in force prior to the commencement of these rules.

- (i) 'Cadre' means the strength of service or any part of service sanctioned in the form of a separate unit;
- (j) 'Year of Recruitment' means a period of twelve months commencing from the first day of July of a calendar year;
- (k) 'College' means the Forest Training Academy, Haldwani, Uttarkhand.

PART-II CADRE

Cadre of Service

4. The strength of the Service and of each category of posts therein shall, until orders varying the same passed, shall be as given in the Appendix 'A';

Provided that:

- (i) The Appointing Authority may leave any post unfilled or the Governor may hold in abeyance any post, without thereby entitling any person to compensation;
- (ii) The Governor may create such permanent or temporary posts as he may consider proper.

PART-III RECRUITMENT

Source of Recruitment

5. Recruitment to the various categories of posts in the Service shall be made from the following sources :-

(1) Up Van Kshetradikari (Deputy Ranger):-

Cent percent by promotion on the basis of seniority, subject to rejection of unfit from amongst the substantively appointed Van Daroga (Forester) who has completed at least 8 years service as Van Daroga (Forester) on the 1st July of the year of recruitment.

(2) Van Daroga (Forester):-

By promotion on the basis of seniority subject to rejection of unfit from amongst substantively appointed Van Arakshi (Forest Guard) who has completed at least 10 years of service as Van Arakshi (Forest Guard) on the 1st July of the year of recruitment.

(3) Van Arakshi (Forest Guard):-

- 1. 90% by direct recruitment from amongst such selected candidates who have successfully completed the prescribed basic training after the selection.
- 2. 10% from the Group-IV employees who have passed the intermediate examination with science. In case of non availability of eligible Group-IV employees, then these vacancies will also be filled by direct recruitment.

Reservation

6. Reservation for the candidate belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes, other Backward Classes and other categories belonging to the State of Uttarakhand shall be in accordance with the general orders of the Government in force at the time of recruitment.

PART-IV QUALIFICATIONS

Nationality

7. A candidates for direct recruitment to a post in the Service must be-
- (a) a citizen of India; or
 - (b) a Tibetan refugee who has come to India before 01st January 1962 with the intention of permanently settling in India; or
 - (c) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Myanmar, Sri Lanka or any of the East African country of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India;

Provided that:-

a candidate belonging to Category (b) or (c) above must be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the State Government.

Provided further that a candidate belonging to category (b) will also be required to obtain a certificate of eligibility granted by the Deputy Inspector General of Police, Intelligence Branch, Uttarakhand.

Provided also that:-

If a candidate belongs to category (c) above, no certificate of eligibility will be issued for a period of more than one year and the retention of such a candidate in Service beyond a period of one year, shall be subject to his acquiring Indian Citizenship.

Note:- A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary but the same has neither been issued nor refused, may be admitted to an examination or interview and he may also be provisionally appointed subject to the necessary certificate being obtained by him or issued in his favour.

Academic Qualification

8. A candidate for appointment to the post of Van Arakshi (Forest Guard) must have passed Intermediate examination (with Agriculture or Science) from any Board/Council established by law in India or any recognised school in the State of Uttarakhand or equivalent examination thereof.

Preferential Qualification

9. A candidate who has :-
- (i) Served in the Territorial Army for a minimum period of two years; or
 - (ii) Obtained a 'B' or 'C' certificate of National Cadet Corps, shall other things being equal, shall be given preference in the matter of direct recruitment.

Age

10. A candidate of General Category for direct recruitment to the post of Van Arakshi under rule 5(3) must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of more than 24 years. The age shall be counted after the Employment exchange if informed of vacancies for recruitment or on the 1st July of the calendar year of the advertisement for recruitment, as the case may be;

Provided that:-

Upper age limit in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, other Backward Classes and such other categories as may be notified by the Government from time to time shall be increased by such number of years as may be specified.

- Character** 11. The Character of a candidate for direct recruitment to a post in the Service must have such as to render him suitable in all respects for employment in Government Service. The Appointing Authority shall satisfy itself on this point.

Note:- Persons dismissed by the Union Government or by a State Government or by a Local Authority or a Corporation or Body owned or controlled by the Union Government or by a State Government shall be ineligible for appointment to any post in the Service. Persons convicted of an offence involving moral turpitude shall also be ineligible.

- Marital Status** 12. A male candidate who has more than one wife living or married to a woman already having a husband living and a female candidate who has more than one husband or married a man already having a wife living shall not be eligible for appointment to a post in the Service.

Provided that:-

The Government may, if satisfied that there exist special grounds for doing so exempt any person from the operation of this rule.

- Physical Fitness** 13. (1) No Candidate shall be appointed to a post in the Service by direct recruitment unless he has the following specified minimum standards of Height and Chest:-

Sex	Height	Chest
Male	163 Cm.	5 Cm. expansion on expansion of the chest.
Female	150 Cm.	

Provided that in the case of candidates belonging to the Scheduled Tribes and of Gorkha, Nepali, Assamese, Laddakhi, Sikkimi, Bhutani, Garhwali, Kumaoni, Naga origin and candidates of Arunachal Pradesh, Lahul and Spiti and Meghalaya, the standard of height shall be as follows:-

Male-152 Cm.

Female-145 Cm.

- (2) No candidates shall be appointed to a post in the service if he is not physically or mentally sound and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of his duties. Before a candidate is finally approved for appointment, he shall be required to submit a medical certificate of fitness according to the rules framed under rule 10 included in chapter III of the Financial Handbook Section II Part III.

Provided that:-

A candidate appointed by promotion shall not be required to submit the medical certificate of fitness.

Provided further that a female candidate if found pregnant of twelve weeks or more on the basis of the test shall be declared temporarily unfit. After six weeks, from the date of delivery she shall be re-examined for fitness.

- (3) Candidate having general vision defect of +/- 4.00 D or more shall not be appointed to any post in the service by direct recruitment.

PART-V RECRUITMENT PROCEDURE

**Determination
of vacancies**

14. The Appointing Authority shall determine the number of vacancies to be filled during the course of year as also the number of vacancies to be reserved for the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward classes and other categories in accordance with the relevant service rules. In case the Chairman of the Selection Committee is an officer other than the Appointing Authority, the Appointing Authority shall intimate the vacancies to the Chairman of Selection Committee.

**Procedure for
Direct
Recruitment**

15. (1) For making direct recruitment, the Appointing Authority shall publish the Proforma of application form in not less than two daily newspapers having wider circulation.
- (2) The Appointing Authority shall invite the applications for direct recruitment in the form published under sub rule (1) and notify the vacancies in the following manner:-
- (i) By issuing advertisement in such daily newspapers having wide circulation.
- (ii) By pasting the notice on the notice board of the office or by advertising through radio /television and other employment newspaper.
- (iii) The application form shall not be published again while notifying the vacancies under rule (3), sub rule (2) to the employment exchange.
- (3) The vacancies for direct recruitment of Van Arakshi shall be by open competition through the Selection Committee.
- (i) Appointing Authority **Chairman**
- (ii) An officer belongs to the Scheduled Castes/Scheduled Tribes nominated by the Chairman, if the Chairman belongs to Scheduled Castes/Scheduled Tribes and Officer other than the Scheduled Castes, Scheduled Tribes or Other Backward Classes shall be nominated. **Member**
- (iii) Any Officer belonging to Other Backward Classes nominated by the Chairman, if the Chairman does not belong to the Other Backward Classes

any Officer other than Other Backward Classes or Scheduled Castes or Scheduled Tribes shall be nominated.

Member

(iv) An officer having adequate knowledge in the related field as per the expectation of recruited post shall be nominated by the Chairman.

Member

(4) The Selection Committee shall scrutinize the application and required the eligible candidate to pass the Physical fitness test and who have passed the Physical fitness test to appear for the written examination.

(5) First the physical fitness qualifications shall be examined under rule 13, sub rule (1) for Physical fitness test and Physical fitness (qualifying) test shall be conducted for the successful candidates only according to the details shown below in the following table:-

S. No.	Details	Qualifying Standards	
		Male	Female
1.	In case of male 25 km. race with 10 kg. weight on the back. In case of female 14 km. race with 5 kg. weight on the back.	Maximum in 4 Hours	Maximum in 4 Hours
2.	Shot put (7.25kg)	5.00 Meter	3.50 Meter
3.	Long Jump	4.00 Meter	2.00 Meter
4.	High Jump	1.10 Meter	0.70 Meter

Only those candidates shall be included in the Shot Put, Long Jump and High Jump test who will be successful in the race and for coming upto the prescribed standards in each of these tests, they will be required to qualify in any one of the maximum three chances. If found unsuitable in the Physical fitness test or in case of not coming upto the specified qualifying standards of Physical fitness test, the candidate shall be declared unsuitable and shall be kept out of the Selection Competition.

(6) **Written Examination:-**

Written examination shall be taken for the candidates declared successful in the Physical fitness test in accordance with the details as follows:-

(i) In case of Van Arakshi there will be maximum 150 marks for written examination out of which 50 marks shall be related to General Mathematics, 50 marks for General Knowledge and rest 50 marks for General Science.

(ii) All the questions shall be of objective type. The General Mathematics questions paper shall be of High School Standard.

- (iii) While evaluating the question paper, 1 mark shall be awarded for each correct answer and 1/4 negative mark for each wrong answer.
- (iv) The Candidates shall be allowed to carry back the question booklet and Carbon/Duplicate copy of the answer sheet of the written examination with them after the examination.
- (v) After the written examination, the answer sheet of the written examination shall be uploaded on the Uttarakhand 'Website' and along with the declaration of the result of the selection, aggregate marks obtained by all the candidates shall also be uploaded on the Uttarakhand 'Website'.
- (7) The Selection Committee shall prepare the merit list in accordance with the aggregate of marks obtained in the written examination and accordingly the procedure for selection shall be undertaken. If two or more candidates obtain equal marks, the name of the candidate having preferential qualification (Territorial Army, National Cadet Corps) shall be kept higher in the list. Even then if two or more candidates obtain equal marks in aggregate the candidate senior in age shall be given preference. The names in the list shall not be more than the number of vacancies. The Selection Committee shall forward the list of finally selected candidates to the Appointing Authority.

**Procedure for
Recruitment by
Promotion**

16. (1) Selection Committee for recruitment by promotion shall be constituted as follows:-

(a) For Deputy Ranger:-

- (i) Appointing Authority
(ii) Two officers of (Conservator of Forests level)
nominated by the Principal Conservator of Forest.

**Chairman
Member**

One officer out of the above mentioned three officers shall be of Scheduled Caste or Scheduled Tribe.

(b) For Forester:-

- (i) Appointing Authority
(ii) Two officer of Prabhagiya Van Adhikari level
nominated by the Chief Conservator of Forests,
Human Resource, Development and Personnel
Management, Uttarakhand, Dehradun.

**Chairman
Member**

One officer out of the above mentioned three officers shall be of Scheduled Caste or Scheduled Tribe.



(2) Recruitment by promotion to the post of Van Daroga and Up Van Kshetradhikari shall be made in accordance with the State Level Seniority subject to rejection of the unfit.

(iii) The Appointing Authority shall prepare a list of eligible candidate on the basis of merit and place it before the Selection Committee along with their character rolls and such other records pertaining to them, as may be considered proper.

(iv) The Selection Committee shall consider the cases of candidates on the basis of records referred to in sub rule (3).

(v) The Selection Committee shall prepare a list of selected candidates on the basis of seniority and forward the same to the Appointing Authority.

PART-VI-APPOINTMENT, PROBATION, TRAINING, CONFIRMATION AND SENIORITY

Appointment 17. The Appointing Authority shall make appointment by taking the names of the candidates in the order in which they stand in the list prepared under rule 16 or 17 as the case may be.

Training 18. (1) The Van Arakshi selected by direct recruitment shall successfully complete six months training course, be required to be present in the Institute on such date as may be fixed by the Department. The said Training shall be governed by the course prescribed by the Central/State Government.

(2) The period of training for a person appointed by direct recruitment shall be counted against the period of his service.

Probation 19. (1) A person appointed in the Service against a permanent vacancy by direct recruitment or person appointed by merger shall be on probation for a period of two years.

(2) The Appointing Authority may, for reasons to be recorded, extend the period of probation in individual cases, specifying the date upto which the extension is granted;

Provided that:

Save in exceptional circumstances, the period of probation shall not be extended beyond one year.

(3) If it appears to the Appointing Authority at any time during or at the end of the period of probation that a probationer has not made sufficient use of his opportunities, he may be reverted to his substantive post, if any, and if he does not hold a lien on any post, his services may be dispensed with.



- (4) A probationer who is reverted or whose services are dispensed with under sub-rule (3) shall not be entitled to any compensation.

Confirmation

20. A probationer shall be confirmed in his appointment at the end of period of probation or extended period of probation if :-
(a) his work and conduct is reported to be satisfactory, and
(b) his integrity is certified, or.
(c) The Appointing Authority is satisfied that he is otherwise fit for confirmation.

Seniority

21. (1) Separate Seniority list for Up Van Kshetradhikari, Van Daroga and Van Arakshi shall be maintained at the State level and the seniority shall be determined in accordance with the Uttarakhand Government Servant Seniority Rules, 2002.

Provided that:-

Seniority inter-se of persons appointed directly against any one selection shall be determined on the basis of the aggregate marks obtained in the Selection competition with 100 percent weightage and the aggregate marks obtained in the prescribed basic training for the post with 50 percent weightage. If two or more persons appointed together, their seniority shall be determined in the order in which their names are arranged in their appointment order.

Provided that:-

If the appointment order specifies a particular back date with effect from which a person is substantively appointed, that date shall be deemed to be the date of order of substantive appointment and, in other case it will mean the date of issue of the order.

- (2) The Seniority inter-se of the direct appointments as a result of any one selection shall be the same as determined by the Selection Committee.

Provided that:-

A candidate recruited directly may lose his seniority if he fails to join without valid reasons when vacancy is offered to him. The decision of the Appointing Authority in this regard shall be final.

- (3) The seniority inter-se of the persons appointed by promotion shall be the same as it was in their original cadre from which they are promoted.

PART-VII-PAY

Scale of Pay

22. The Scale of pay admissible to the persons appointed to the various categories of post in the Service shall be the same as may be determined by the Government from time to time.

**Pay During
Probation**

23. (1) Notwithstanding any provision with Fundamental Rules, to the contrary, a person on probation, if he is not in permanent Government Service, shall be allowed his first increment in the time scale pay when he has completed one year of satisfactory service and second increment after two years service when he has completed the probationary period and is also confirmed,

Provided that :

If the period of probation is extended on account of failure to give satisfaction such extension shall not be counted for increment unless the Appointing Authority directs otherwise.

- (2) The pay during probation of a person who was already holding a post under the Government shall be regulated by the relevant Fundamental Rules.

Provided that :

If the period of probation is extended on account of failure to give satisfaction such extension shall not be counted for increment unless the Appointing Authority directs otherwise.

- (3) The pay during probation of a person who is already in the permanent Government Service shall be regulated by the Fundamental Rules applicable to the Government servants generally serving in connection with affairs of the State.

PART-VIII-OTHER PROVISIONS

Canvassing

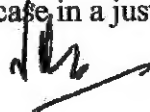
24. No recommendations other than those required under the Rules applicable to the post or service shall be taken into consideration. Any attempt on the part of a candidate to enlist support directly or indirectly for his candidature will disqualify him for appointment.

**Regulation of
Other Matters**

25. In regard to the matters not specifically covered by these Rules or special orders, persons appointed to the Service shall be governed by the regulations and orders applicable generally to the Government servants serving in connection with the affairs of the State.

**Relaxation of
Conditions of
Service**

26. Where the State Government is satisfied that the operation of any rule regulating the conditions of service of person appointed to the Service may cause undue hardship in any particular case, it may, notwithstanding anything contained in the Rules applicable to the case, by order, dispense with or relax the requirements of that Rule to such extent and subject to such conditions as it may consider necessary dealing with the case in a just and equitable manner.



Saving

27. Nothing in these Rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and other special categories belonging to the State of Uttarakhand in accordance with the orders of the Government, issued from time to time in this regard.

By Order,



(S. Ramaswamy)

~~Additional Chief Secretary~~

APPENDIX-A

S. No.	Name of Post	Pay Scale	Grade Pay	No. of Post
1.	Up Van Kshetradhikari (Deputy Ranger)	(Rs. 9,300-34,800)	Rs. 4200/-	408
2.	Van Droga (Forester)	(Rs. 5,200-20,200)	Rs. 2800/-	1729
3.	Van Aarakshi (Forest Guard)	(Rs. 5,200-20,200)	Rs. 2000/-	3650


/